

A**CCE RF/RR/
PF/PR**

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಳಿ,

ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 003

**KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD,
MALLESHWARAM, BENGALURU - 560 003**

ಮಾರ್ಚ್/ಏಪ್ರಿಲ್ 2026 ರ ಪರೀಕ್ಷೆ - 1

MARCH/APRIL 2026 EXAMINATION - 1

**ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು
MODEL ANSWERS**

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Code No. : 06-H

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಶಾಲಾ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ)

(Regular Fresh / Regular Repeater / Private Fresh / Private Repeater)

ದಿನಾಂಕ : **18. 03. 2026]**

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100

Date : 18. 03. 2026]

[Max. Marks : 100

ಪ್ರಶ್ನ ಸಂಖ್ಯಾ	ಸಹಿ ಉತ್ತರ	ಅಂಕ
I. 1.	बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर । 'समर्थ' शब्द का विलोम रूप है — (A) अर्थ (B) अनर्थ (C) असमर्थ (D) काबिल उत्तर : (C) असमर्थ	6 × 1 = 6 1

10/803 ❀ (MA)

[Turn over

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द पहचानिए — (A) जीवन (B) अभिनेत्री (C) राक्षस (D) कवि उत्तर : (B) अभिनेत्री	1
3.	‘घराना’ शब्द का बहुवचन रूप है — (A) घराने (B) परिवार (C) कुल (D) खानदान उत्तर : (A) घराने	1
4.	निम्नलिखित में प्रथम प्रेरणार्थक रूप है — (A) चलाना (B) करवाना (C) लिखा (D) पढ़ती उत्तर : (A) चलाना	1
5.	‘अपना’ शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप है — (A) आप (B) हम (C) हमारा (D) अपनापन उत्तर : (D) अपनापन	1
6.	‘नौ दो ग्यारह होना’ मुहावरे का सही अर्थ है — (A) गिनती करना (B) भाग जाना (C) जोड़ना (D) हिसाब लगाना उत्तर : (B) भाग जाना	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
II.	अनुरूपता के उत्तर ।	4 × 1 = 4
7.	स्वागत : सु + आगत :: किशोरावस्था : । उत्तर : किशोर + अवस्था	1
8.	चिताभस्म : तत्पुरुष समास :: पति-पत्नी : । उत्तर : द्वंद्व समास	1
9.	जो पढ़ा-लिखा न हो : अनपढ़ :: जो कविताएँ लिखती हो : । उत्तर : कवयित्री	1
10.	हिमांशी ने गाना गाया : भूतकाल :: राजेश मेहनत से कमाता है : । उत्तर : वर्तमान काल	1
III.	एक-एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।	7 × 1 = 7
11.	लोटा किस पर गिरा ? बताइए । उत्तर : लोटा अंग्रेज़ पर गिरा ।	1
12.	नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना गाँधीजी ने क्यों की ? उत्तर : अंग्रेजों का अपमानपूर्ण व्यवहार का सामूहिक रूप से उत्तर देने के उद्देश्य से गाँधीजी ने नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना की ।	1
13.	राष्ट्रपति ने विदेशी विद्वान को क्यों बुलाया था ? कारण बताइए । उत्तर : अपने देश में शिक्षा के प्रचार पर विचार करने के लिए राष्ट्रपति ने विदेशी विद्वान को बुलाया ।	1
14.	गुजरात के दलीय गायन का नाम बताइए । उत्तर : गुजरात के दलीय गायन का नाम गरबा है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
15.	कवि इकबाल जी किस देश को सारे जहाँ से अच्छा बताते हैं ? उत्तर : कवि इकबाल जी हिन्दुस्तान को 'सारे जहाँ से अच्छा' बताते हैं ।	1
16.	कवि अज्ञेय जी उधार देने से क्यों डरते हैं ? उत्तर : कवि अज्ञेय जी सिर्फ लेना जानते हैं, देना नहीं/अनदेखे अरूप को बिना जाने उसे कुछ देने से डरते हैं ।	1
17.	जीवन में सफलता प्राप्त करने की कुँजी क्या है ? उत्तर : परिश्रम/मेहनत ही जीवन में सफलता प्राप्त करने की कुँजी है ।	1
IV.	दो-तीन वाक्यों में उत्तर ।	10 × 2 = 20
18.	काठियावाड़ तथा भारत की जनता गाँधीजी की ओर क्यों आकृष्ट हुई ? उत्तर : वीरमगाम में जकात के सम्बंध में जनता बड़ी दुःखी थी । गाँधीजी ने उनका दुःख वायसराय के सामने रखा । वायसराय ने उन शिकायतों पर उचित ध्यान दिया । इससे काठियावाड़ तथा भारत की जनता गाँधीजी की ओर आकृष्ट हुई ।	2
19.	पैरों में कील चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ जी क्यों चुप थे ? उत्तर : क्योंकि सब बंधु रवीन्द्रजी का भाषण सुनकर आनंद ले रहे थे और वे सबको आनंद परोसने का आनंद ले रहे थे । ऐसे क्षण में वे दुःख की ओर ध्यान देते तो आनंद का क्षण खंडित हो जाता ।	2
20.	पहाड़ी लोक गीतों के बारे में जानकारी दीजिए । उत्तर : पहाड़ियों के अपने-अपने गीत होते हैं । उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें अपनी एक समाज भूमि है । उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	रूसी युवतियाँ कैसे दिखाई दे रही थीं ? उत्तर : सिर पर कपड़ा बाँधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं । ट्रेन को देखकर वे भी हमारे देश के गाँवों की लड़कियों की तरह रूक कर खड़ी हो जाती हैं ।	2
22.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या स्थान कैसे बना है ? उत्तर : हिमालय पर्वत संसार का सबसे ऊँचा पर्वत है जो संतरी का काम करता है । इस देश में जो नदियाँ बहती हैं, वे बहुत ही पवित्र मानी जाती हैं । इस देश का कोई भी धर्म आपस में बैर करना नहीं सिखाता ।	2
23.	सबसे उठते ही कवि अज्ञेय जी ने किन-किन से क्या-क्या उधार माँगा ? उत्तर : कवि अज्ञेय जी ने धूप से गरमाई, चिड़िया से सुरीली आवाज़, घास के हरियाली, शंखपुष्पी से उजास, हवा से खुलापन, लहरों से उल्लास, आकाश से असीमता आदि माँगा ।	2
24.	नेपोलियन और उसकी बहन इलाइज़ा के स्वभाव में क्या अन्तर था ? उत्तर : नेपोलियन बड़ा सत्यवादी था । अपनी गलती स्वीकार कर लेता था । गरीबों के प्रति दया-भाव रखता था ज्योतिष्य शास्त्र पर उसे विश्वास नहीं था । बल्कि मेहनती और आदर्शवादी था । जब कि उसकी बहन इलाइज़ा इसके विपरीत थी ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
25.	अफ्रीकावासी बेडेन पावल को इम्पासी कहकर क्यों पुकारते हैं ? उत्तर : जासूसी कला में बेडेन पावल की निपुणता के कारण उनको अफ्रीकी लोगों ने 'इम्पासी' कहा। इम्पासी का अर्थ होता है - कभी न सोनेवाला बेड़िया।	2
26.	रैदास से पंडित मूर्ति क्यों माँग रहा था ? उत्तर : रैदास के पास भगवान की एक चतुर्भुजी मूर्ति थी। उसे पंडित प्राप्त कर लेना चाहता था। उसने रैदास से कहा - तुम हमेशा चमड़े का काम करते रहते ही, इस मूर्ति की सेवा-पूजा ठीक से नहीं हो सकती। इस लिए मूर्ति उसे दे दें।	2
27.	'कुछ खास नहीं' यह सुनकर हेलेन केलर को क्यों आश्चर्य हुआ ? उत्तर : "कुछ खास तो नहीं" - इस जवाब से हेलेन को आश्चर्य होता है जब कि जिन लोगों की आँखें हैं, वे बहुत कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग-अलग सुंदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता।	2
V.	लेखक / कवि का परिचय।	2 × 3 = 6
28.	मन्नू भण्डारी। उत्तर : i) जन्म काल : 3 अप्रैल, 1931 को मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले के भानापुरा गाँव में हुआ। बचपन का नाम महेन्द्र कुमारी था। सुख संपतराम पिता थे। जाने-माने लेखक थे। मन्नू जी को लेखन संस्कार विरासत में मिला है। ii) कृतियाँ : एक प्लेट सैलाब, मैं हार गई, तीन निगाहों की एक तस्वीर, यही सच है, नायक खलनायक विदूषक, आपका बंटी, महाबोज, स्वामी, एक इंच मुस्कान और कलवा, एक कहानी यह भी, रजनी, निर्मला, स्वामी दर्पण, बिना दीवारों का घर (तीन कृतियाँ पर्याप्त हैं)	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' । उत्तर : i) जन्म काल : सन् 1897 ई० में ग्वालियर राज्य के भुजालपुर गाँव में हुआ । गरीबी में बचपन गुजरा । अपने बल आपने बीए तक पढ़ा । 'नवीन' इनका काव्यनाम है । वे कवि, लेखक, वक्ता और देखभक्त भी थे । ii) कृतियाँ : प्राणार्पण, उर्मिला, रश्मिरेखा, कुंकुम, कासी आदि । (तीन कृतियाँ पर्याप्त है) iii) अन्य जानकारीयाँ : स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान परिषद् के सदस्य भी बने थे । सन् 1930 में आपका स्वर्गवास हुआ ।	3
VI.	छन्द पहचानिए ।	1 × 3 = 3
30.	रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि । जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि । उत्तर : 5 5 5 5 5 5 रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि । 5 5 5 5 5 5 5 5 जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि ॥ (i) इस उदाहरण में दोहा छंद है । (ii) हर पंक्ति में 24-24 मात्रायें होती हैं । (iii) हर पंक्ति के दो चरण होते हैं, पहले और तीसरे चरणों में 13-13 मात्रायें होती हैं । (iv) दूसरे और चौथे चरणों में 11-11 मात्रायें होती हैं ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	अलंकार पहचानिए ।	1 × 3 = 3
31.	कबिरा सोइ पीर है, जे जाने पर पीर । उत्तर : (i) इस उदाहरण में यमक अलंकार है जो शब्दालंकार के अंतर्गत आता है । (ii) इसमें 'पीर' शब्द का भिन्न-भिन्न अर्थों में दो बार प्रयोग हुआ है । पहले प्रयोग में साधु-सन्त, पैगम्बर के अर्थ में है तो दूसरे प्रयोग में पीड़ा, दर्द, वेदना के अर्थ में । (iii) जब एक ही शब्द भिन्न अर्थों में एक से अधिक बार प्रयोग में आता है तो वहाँ यमक अलंकार होता है ।	3
VIII.	संदर्भ के साथ व्याख्या ।	4 × 3 = 12
32.	“मैं उसे उलट सकता हूँ, उलट चुका हूँ, उलट रहा हूँ ।” उत्तर : पाठ का नाम : रुपया बोलता है । लेखक का नाम : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' । संदर्भ व व्याख्या : इसमें रुपये की महानता का वर्णन है । रुपये के मुताबिक वह सर्वशक्तिमान है, सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर है जो परम मधुर है, ईश्वर के समान है । मनुष्य उसका गुलाम बन चुका है । पूरा संसार उसमें दबता है । विशेषता : रुपये के बीभत्स रूप का वर्णन किया गया है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
33.	“मैंने अपने बच्चे को देखा तक नहीं ।” उत्तर : पाठ का नाम : अपना-पराया लेखक का नाम : जैनेन्द्र । संदर्भ व व्याख्या : सिपाही और सरायवाले के बीच का वार्तालाप सिपाही ने सरायवाले के हाल-चाल मालूम किये । और अपनी फौज की बहुत सी बातें बताईं । उसने अपनी जिंदगी का स्वाद बताया जो बहुत ही कड़वा था । उस जिंदगी में अपने परिवार से दूर रहना पड़ता, हर घड़ी मौत का अंदेशा रहता है बाल-बच्चों से सैकड़ों कोसों दूर । क्षण बीतने अनंत दूर ही सकते हैं । विशेषता : सैनिकों के जीवन के भयंकर रूप का चित्रण दिखाई देता है ।	3
34.	“हुजूर वह हाथ की पकड़ में नहीं आता ।” उत्तर : पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ । लेखिका का नाम : हरिशंकर परसाई । संदर्भ व व्याख्या : दो महीनों की छान-बीन के बाद पाँचों विशेषज्ञ दरबार में हाज़िर हुए और राजा के सामने भ्रष्टाचार के बारे में पूरी जानकारी पेश की । जैसे वह स्थूल नहीं सूक्ष्म है, अगोचर है, सर्वत्र व्याप्त है । सबके लिए वही ईश्वर बन गया है । वह सर्वव्यापी है फिर भी वह किसी के हाथ की पकड़ में नहीं आता । विशेषता : यहाँ सर्वव्यापी भ्रष्टाचार पर व्यंग्य किया गया है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
35.	“जब सब खाने पर टूटते थे, वह अलग बैठा टूँगता रहता था ।” उत्तर : पद्य का नाम : पिछड़ा आदमी । कवि का नाम : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना । संदर्भ व व्याख्या : जब सब बोलते थे पिछड़ा आदमी चुप रहता था, जब सब चलते थे तो वह पीछे रह जाता था और जब सब खाने पर टूट पड़ते थे तो पिछड़ा आदमी अलग बैठकर थोड़ा-थोड़ा खाना खाता रहा । विशेषता : पिछड़े आदमी की दयनीय स्थिति का चित्रण दिखाई देता है ।	3
IX.	चार-पाँच वाक्यों में उत्तर ।	3 × 3 = 9
36.	लोटा खरीदने का हक किसे और क्यों था ? उत्तर : अंग्रेज़ के मुताबिक लोटा खरीदने का हक सिर्फ उसी को था, किसी और को बिलकुल नहीं । क्योंकि पुरानी और ऐतिहासिक चीज़ें संग्रह करने का शौक अंग्रेज़ को था, लोटे के पानी से सिर्फ उसीने स्नान किया, लोटा छत से उसी के सिर पर गिरा, लोटे ने उसी के अँगूठे को चोट पहुँचाई ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	कोलकाता के आश्रम में कुत्ते ने कैसा बर्ताव किया था ? उत्तर : जब गुरुदेव का चिताभस्म कोलकाता से आश्रम में लाया गया, उस समय न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शान्त गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया । आचार्य क्षितिमोहन सेन सबके आगे थे । उन्होंने ही लेखक हज़ारी प्रसाद द्विवेदी जी को बताया कि वह कुत्ता चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा ।	3
38.	बुरे लोगों के साथ रहने पर भी मनुष्य अच्छा रह सकता है । इस बात को कवि रहीम ने कैसे समझाया है ? उत्तर : रहीम यह बताते हैं कि लाख कोशिश करने के बावजूद भी बुरे लोग अच्छे लोगों पर अपनी बुराई का असर डाल नहीं सकते । अच्छे हमेशा अच्छे ही बने रहते हैं । जैसे साँप चंदन के पेड़ पर लिपटे रहने पर भी अपना ज़हर पेड़ पर चढ़ा नहीं सकता । चंदन का पेड़ अपनी खुशबू छोड़ नहीं सकता । इधर साँप बुराई का प्रतीक है तो चंदन का पेड़ अच्छाई का ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
x.	पद्यांश की पूर्ति ।	1 × 4 = 4
39.	जग में सुख को गले लगाना । अथवा पैदा कर स्वजीवन सारा । उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । वही जगाता है सद्गुणों को, सद्गुण लाता सुख है । बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना । सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना । अथवा पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा । किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । उससे होना उक्तुण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा । फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	1 1 1 1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XI.	पद्यांश का भावार्थ :	1 × 4 = 4
40.	भूख लगी तो गाँव में भिक्षात्र हैं, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है । अथवा मुरझाए फूल में सुगंधि कौन ढूँढ़ेगा ? बच्चे में कौन खोट देखेगा ? हे देव ! विश्वास को ठेस लगने पर फिर से सद्गुण कौन परखेगा ? हे प्रभु, जले पर कौन नमक छिड़केगा ? सुनो, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, नदी पार करने के बाद मल्लाह को कौन पूछेगा ? उत्तर : कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम : डॉ० नंदिनी गूडूराव भावार्थ : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं, यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	इधर-उधर तालाब-कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । रात को सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है । अथवा भावार्थ : अकमहादेवी अपने इस वचन द्वारा निरर्थक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहती है - मनुष्य मुरझाए फूल में कभी भी सुगंध को ढूँढ़ने का प्रयास नहीं करेगा । बच्चों में सच्चाई है या बुराई है, देखने का प्रयास कोई नहीं करेगा । वह कहती है कि विश्वास की धक्का लगने के बाद फिर से सद्गुण दिखाई देने पर कोई विश्वास नहीं करेगा । जो कोई पहले से ही दुखी है और भी उसे दुखी करने का प्रयास कोई नहीं करेगा । हे प्रभु, जब इस संसार रूपी नदी पार करने पर उस मल्लाह रूपी भगवान को कौन याद करेगा अर्थात् सब पथ-प्रदर्शक को भूल जायेंगे । यही आज की स्थिति है ।	
XII.	आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।	2 × 4 = 8
41.	आलूर वेंकटराव जी के जीवन में नया मोड़ कैसे आया ? विवरण दीजिए । अथवा आलूर वेंकटराव जी के नूतन विद्यालय का परिचय दीजिए । उत्तर : आलूर वेंकटराव को एक बार नववृंदावन जाने का अवसर मिला । उन्होंने वहाँ तुंगभद्रा के प्रशांत तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियाँ देखी । फिर उन्होंने हंपी उत्खनन के बारे में सारी जानकारी प्राप्त कर ली । तभी वेंकटराव जी को समझ में आया कि विजयनगर साम्राज्य की	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	राजधानी यही खण्डहर हंपी थी । विद्यारण्य की तपोभूमि, भुवनेश्वरी का पुण्य तटाक । ये सारे चित्र उन्हें विस्मित सा कर गए । दूसरे दिन वेंकटराव खुद नदी पार करके विरुपाक्ष मंदिर गए । अपने आप को भूलकर अंदर गए । उन्हें लगा कि पंपानाथ तथा पंपाबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रही हैं । बगल में भुवनेश्वरी का मंदिर था । वहाँ उन्हें लगा उस मूर्ति में प्राणों का संचार हुआ है । वे विजयनगर साम्राज्य की प्रेरक शक्ति के रूप में खड़े विद्यारण्य महातपस्वी की मूर्ति के दर्शन से पुलकित हो उठे । यात्रा से वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ आया । अथवा वकालत छोड़कर पर आलूर वेंकटराव जी को अपना मनपसंद काम करने का मौका मिला । वे धारवाड़ में एक राष्ट्रीय स्कूल खोलने के प्रयत्न में लग गए । मित्रों की सहानुभूति, जाने-माने व्यक्तियों से धन सहायता, दूसरे गाँवों से धन सहायता के फल-स्वरूप 26.01.1909 के दिन धारवाड़ में कर्नाटक नूतन विद्यालय अस्तित्व में आया । छात्रों को स्वावलंबी, आत्म-निर्भर बनाना राष्ट्रीय शिक्षा को उद्देश्य था । इसलिए इस स्कूल के पाठ्यक्रम में लकड़ी का काम, मुद्रण, बुनाई, दियासलाई बनाना, पेंसिल बनाना आदि सिखाना भी शामिल किया गया । वेंकटराव जी इस स्कूल के गौरव सचिव थे । वेतन नहीं लेते थे । 42. लेखक सेठ गोविन्द दास की राय में 'सच्चा धर्म' का स्वरूप कैसा होता है ? अथवा पुरुषोत्तम को विनायक के साथ क्यों भोजन करना पड़ा ? स्पष्ट कीजिए ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : सामान्य रूप से हम लोग धर्म की जो व्याख्या करते हैं, वह सेठ गोविन्द दास की दृष्टि से सही नहीं है। धर्म का खान-पान या छुआछूत से कोई विशेष संबंध नहीं है। सेठजी ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो। धर्म किसी निश्चित नियमों में बंधकर नहीं रह सकता। समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है। कभी कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा हो जाती है। मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है। लेखक सेठजी की नजर में सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो। अथवा औरंगजेब की कैद से बचकर भागते वक्त शिवाजी अपने बेटे संभाजी को पुरुषोत्तम के यहाँ छोड़ गए थे। खुफिया जमात के सरदार दिलावर खाँ के पूछने पर पुरुषोत्तम ने उसे यह बता दिया कि वह लड़का उसका अपना भानजा विनायक है। पर दिलावर को वह लड़का ब्राह्मण नहीं, अब्राह्मण लग रहा था। इसलिए उसने पुरुषोत्तम के सामने यह शर्त रखी कि अगर वे दोनों एक साथ एक ही थाली में भोजन करेंगे तो ही वह मानेगा कि वह लड़का उसका भानजा विनायक है। पुरुषोत्तम एक ब्राह्मण होकर अब्राह्मण संभाजी के साथ भोजन करने को इसलिए तैयार हो जाते हैं क्योंकि उनकी राय में मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है। जो शरण में आया है उसकी रक्षा करना मानवता है। उसके साथ-साथ पुरुषोत्तम शिवाजी के साथ विश्वासघात करना नहीं चाहते थे।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIII.	अपठित गद्यांश के उत्तर ।	$1 \times 4 = 4$ (2 + 2)
43.	सालुमरद तिममक्का का नाम आज कर्नाटक के कोने-कोने में व्याप्त है जो एक वृक्षप्रेमी है । तिममक्का के माँ-बाप मेहनत मज़दूरी करते हुए अपना पेट पालते थे । तिममक्का के पति का नाम बिक्कला चिक्कय्या था । इस दंपति को एक-एक कौर के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी । दूसरों के खेतों में पसीना बहाकर काम किया करते थे । तिममक्का निस्संतान थीं । पति-पत्नी दोनों बच्चों के लिए तरस जाते थे । पर कभी निराश नहीं हुए । अन्त में उन्होंने एक बच्चे को गोद लिया जिससे उनके जीवन में खुशियाँ लौट आईं । तिम्मक्का और चिक्कय्या ने निश्चय किया कि वे अपने आपको किसी धार्मिक कार्य में लगा लें । इसी विचार से मेले में आनेवाले जानवरों के लिए पीने के पानी का इंतज़ाम किया । तिममक्का ने रास्ते के दोनों ओर पेड़ लगाने, सींचने, बढ़ाने की बात सोची । उन्होंने हुलिकल व कुदूर के बीच के चार कि.मी. के रास्ते के दोनों ओर बरगद के डाल लगाये । ये पेड़ राहगीरों को छाया देने के साथ-साथ, पशु-पक्षियों के आश्रमधाम भी बन गए । a) तिममक्का के जीवन में खुशियाँ कैसे लौट आईं ? b) तिममक्का दंपति ने समाज और पर्यावरण की रक्षा कैसे की ?	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : a) तिममका निस्संतान थीं । पति-पत्नी दोनों बच्चों के लिए तरस जाते थे । पर कभी निराश नहीं हुए । इसी कारण अन्त में तिममका दंपति ने एक बच्चे को गोद लिया जिसमें उनके जीवन में खुशियाँ लौट आईं । b) तिममका दंपति ने मेले में आनेवाले जानवरों के लिए पीने के पानी का इंतज़ाम किया । उन्होंने हुलिकल और कुदूर के बीच के चार कि.मी. के रास्ते के दोनों ओर बरगद के डाल लगाये ।	2 2
XIV.	पत्र लेखन ।	1 × 5 = 5
44.	अपनी बड़ी बहन के विवाह में शामिल होने के लिए 4 दिनों की छुट्टी की विनती करते हुए अपने कक्षाध्यापक के नाम पत्र लिखिए । अथवा शिक्षा का महत्व समझाते हुए अपने छोटे भाई के नाम एक पत्र लिखिए । उत्तर : व्यावहारिक पत्र : i) स्थान एवं दिनांक : $\frac{1}{2}$ ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$ iii) सम्बोधन - विषय : 1 iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$ v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$ अथवा	5

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	पारिवारिक पत्र : i) स्थान एवं तारीख : $\frac{1}{2}$ ii) सम्बोधन-अभिवादन : 1 iii) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$ iv) समाप्ति : $\frac{1}{2}$ v) पत्र पानेवाले का पता : $\frac{1}{2}$	5
xv.	निबंध लेखन ।	1 × 5 = 5
45.	किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : i) दूरदर्शन-हानि और लाभ । ii) शिक्षा में कंप्यूटर का पात्र । उत्तर : (i) भूमिका 1 (ii) विषय विश्लेषण 2 (iii) उपसंहार 1 (iv) भाषा और शैली । 1	